

ECHO OF HIS CALL

HINDI

बुलावे की प्रतिध्वनि

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-



Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ

16 Languages

Associate Editor : Sis. DOROTHY S. THOMAS

Vol. XXXI

YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2026 OCTOBER

No. 11



पवित्र बाइबल!
इन वचनों को याद करें
परमेश्वर की स्तुति हो
यूहन्ना 1:1-10

- 1 आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।
- 2 यही आदि में परमेश्वर के साथ था।
- 3 सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ, और जो कुछ उत्पन्न हुआ है उसमें से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न नहीं हुई।
- 4 उसमें जीवन था और वह जीवन मनुष्यों की ज्योति था।
- 5 ज्योति अन्धकार में चमकती है, और अन्धकार ने उसे ग्रहण न किया।
- 6 एक मनुष्य परमेश्वर की ओर से आ उपस्थित हुआ जिसका नाम यूहन्ना था।
- 7 वह गवाही देने आया कि ज्योति की गवाही दे, ताकि सब उसके द्वारा विश्वास लाएँ।
- 8 वह आप तो वह ज्योति न था, परन्तु उस ज्योति की गवाही देने के लिये आया था।
- 9 सच्ची ज्योति जो हर एक मनुष्य को प्रकाशित करती है, जगत में आनेवाली थी।
- 10 वह जगत में था, और जगत उसके द्वारा उत्पन्न हुआ, और जगत ने उसे नहीं पहिचाना।

आपको चमकने के लिए बुलाया गया है!

YOU ARE CALLED TO SHINE!

बहन एंजेलिन

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता, प्रभु यीशु मसीह के प्रिय नाम में, “एको ऑफ हिज कॉल” के मेरे प्रिय परिवार को अभिवादन!

भारत में दीपावली का महीना बहुत विशेष होता है। देशभर में और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले लाखों भारतीय इस रोशनी के त्योहार को मनाते हैं। परंपरागत रूप से दीपावली अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक मानी जाती है।

जब मैं दुनिया भर में भारतीयों को दीपावली मनाते देखती हूँ, तो मेरा ध्यान एक और महान प्रकाश की ओर जाता है - प्रभु यीशु मसीह, जो जगत की ज्योति है। वह हमारे अंधकार में आया, ताकि हमारी आँखें खोलें, निराश लोगों के हृदय में आशा जगाए और हमें अंधकार से निकालकर अपनी अद्भुत ज्योति में ले आए।

जब मसीह की ज्योति अंधकार में प्रवेश करती है!

सृष्टि के आरंभ में परमेश्वर द्वारा कहे गए पहले शब्दों में से एक थे :

“उजियाला हो।” - उत्पत्ति 1:3

उत्पत्ति 1:1-4 हमें ऐसी पृथ्वी का चित्र दिखाता है जो बेडौल और सुनसान थी तथा गहरे अंधकार में डूबी हुई थी। लेकिन कहानी का अंत अंधकार में नहीं हुआ। जब परमेश्वर ने अपना वचन कहा, तो उसी अंधकार के बीच प्रकाश फैल गया।

पृष्ठ 3 में क्रमशः...

✳ **एको ऑफ हिज कॉल** ✳ 5 मिनट का संदेश!!



यू ट्यूब मसीही चैनल!

तुम्हें पास्टर एस. सैम सिल्वा राज के साथ प्रार्थना करने का अवसर मिलेगा!

अंग्रेजी, हिन्दी, तमिल और तेलुगू

प्रतिदिन सुबह 2 बजे तमिल रविवार सप्ताह - सुबह 8:30 बजे

✳ Please Subscribe and Share ✳



ECHO OF HIS CALL - (Marching towards 60th year)

Estd. 1969

from your dearly beloved brother...



OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

“इस कारण, इस एक बार, मैं इन लोगों को अपना

गुजबल और पराक्रम दिखाऊँगा, और वे जानेंगे कि मेरा नाम यहोवा है।”

विर्मयाह 16:21

प्रभु में प्यारे भाइयो और बहनो,

यह हमारे लिए कितनी बड़ी खुशी की बात है कि हम उन प्रिय भाइयों और बहनों के बारे में सोचें और उनका स्वागत करें, जिन्हें परमेश्वर ने बुलाया है और जो संसार के अलग-अलग हिस्सों में रहकर उनकी सेवा कर रहे हैं! दूरी, भाषा और परिस्थितियाँ चाहे अलग-अलग हों, फिर भी प्रभु में एक साथ जुड़ने के इस अनमोल अवसर के लिए हम उनके बहुत आभारी हैं।

एक छोटी-सी शुरुआत

हाँ, यह सब 10 अगस्त 1969 को एक छोटी-सी शुरुआत के साथ आरंभ हुआ। नेल्सरडकोनम के छोटे-से गाँव में नेयूर सी.एस.आई. चर्च में “गुड न्यूज़ प्रेयर बैंड” के नाम से एको ऑफ़ हिज़ कॉल की शुरुआत हुई। यह कुछ युवा लड़के-लड़कियों के साथ शुरू हुआ, जिनके हृदय में उन स्त्री-पुरुषों के लिए सच्चा बोझ और एक स्पष्ट दर्शन था, जो प्रभु यीशु मसीह से दूर होकर आध्यात्मिक विनाश की ओर बढ़ रहे थे।

उस समय मैं स्वयं भी बहुत युवा था। परमेश्वर ने सचमुच उन युवाओं की आज्ञाकारिता और समर्पण का सम्मान किया, जिन्होंने कलवरी के बुलावे को स्वीकार किया : वही कलवरी जहाँ हमारे प्रभु यीशु मसीह ने हमारे लिए अपना बहुमूल्य लहू बहाया और अपना जीवन दे दिया।



जैसे-जैसे वर्ष बीतते गए, वह छोटी-सी शुरुआत बढ़कर इको ऑफ़ हिज़ कॉल बन गई - एक ऐसा नाम, जिसके बारे में हमारा विश्वास है कि परमेश्वर ने स्वयं हमें दिया है। प्रभु ने अपनी कृपा से इस सेवकाई को संसार के अनेक भागों तक पहुँचने में सहायता की है - भारत, श्रीलंका, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, स्कॉटलैंड, लंदन, यूनाइटेड किंगडम के अन्य हिस्सों और उससे भी आगे तक।

क्या हमारा प्रभु यीशु मसीह सचमुच महान नहीं है?

प्रभु ने केवल इस सेवकाई को दूर-दूर तक फैलने में ही सहायता नहीं की, बल्कि विभिन्न प्रकार की सेवकाइयों के माध्यम से इसे हजारों लोगों के लिए आशीष का साधन भी बनाया है। इनमें शामिल हैं :

- * एको ऑफ़ हिज़ कॉल पत्रिका, जो 16 भाषाओं में प्रकाशित होती है।
- * नेहेम्याह बाइबल कॉलेज, जो 3 भाषाओं में कार्य करता है।
- * सेन्ट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल - विलेज इंग्लिश हाई स्कूल।
- * थियोलॉजिकल कॉरिस्पोंडेंस कोर्स, 2 भाषाओं में।
- * बाइबिल कोर बेसिक बाइबल कोर्स, 3 भाषाओं में।
- * बहुभाषी मिशन चर्च।
- * गॉस्पल प्रिंटिंग प्रेस।
- * प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- * सामाजिक सेवाएँ।
- * और परमेश्वर के राज्य को आगे बढ़ाने के लिए की जाने वाली अनेक अन्य सेवकाइयाँ।

HON. EDITOR-IN-CHIEF

Rev. Dr. Angeline S. Kumari, M.A., M.Sc., M.Ed.

EX MANAGING EDITOR

Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

EX ADMINISTRATOR

Sis. Jesy Veena Sam

GENERAL MANAGER

Bro. N. Prakasam, M.A., M.Sc.(C.A.), PGDHRM, MBA.

ADMINISTRATION

Adv. K. Puratchivendan, M.Com., C.A., B.L.

Dr. P.E.R. Premchand, M.Sc., M.A., M.Ed., Ph.D.

Dr. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM), Ph.D.

Dr. Rabinder Boaz, M.S. (CMC)

EDITORIAL BOARD

Sis. Sajini Cherian

Rev. Dr. J. John Rajarathnam, B.S., B.D., M.Th.

Rev. Dr. K.R. Rajasekaran

Adv. N. Balaji, B.Com., M.L.

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER

Pastor S. SAM SELVA RAJ

Echo of His Call Printers

10, Mohammed Abdullah 2nd Street,

Chepauk, Chennai- 600 005, India.

Phone : (+ 91- 44) 2852 8282; 2852 9293

Cell : (+91) 98410 71852, 98412 71858

E.MAIL

sam@echoofhiscall.org

biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES

www.echoofhiscall.org

www.stpaulsmatriculation.org

YOUTUBE CHANNEL

Echo of His Call

Our Ministries: ❑ ECHO OF HIS CALL Monthly Magazines (16 languages) ❑ BIBLECOR - Postal Courses (3 languages) ❑ YouTube Ministry ❑ Online Courses ❑ Theological Correspondence Courses (2 languages) ❑ Church Planting ❑ Nehemiah Bible Colleges ❑ Gospel Printing Press ❑ Great Commission Partners ❑ St. Paul's Matriculation School ❑ Crusades ❑ Community Development

एक मनुष्य आधा मरा हुआ छोड़ दिया गया

हमारे प्रभु यीशु ने एक ऐसे मनुष्य की कहानी सुनाई जो यरूशलेम से यरीहो जा रहा था और मार्ग में डाकुओं के हाथों पड़ गया। उन्होंने उसके वस्त्र उतार लिए, उसे घायल कर दिया और उसे सड़क के किनारे अधमरा



छोड़ दिया। फिर भी उसकी कहानी वहीं समाप्त नहीं हुई। एक अच्छे सामरी ने उसे देखा, उस पर तरस खाया, उसके पास गया, उसके घावों पर पट्टी बाँधी और उसकी देखभाल की।

इसी प्रकार, प्रभु ने हमें उन लोगों तक पहुँचने की जिम्मेदारी दी है जो आत्मिक रूप से घायल, टूटे हुए, उपेक्षित और आशाहीन हैं। इस बुलावे के साथ एक गहरा बोझ और बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है।

बोझ और संघर्ष

इस समय हम चाहते हैं कि आप उस बोझ की गहराई और उन प्रशासनिक जिम्मेदारियों को समझें जो हमारे कंधों पर हैं।

कई बार हम सचमुच उन सभी जिम्मेदारियों का भार महसूस करते हैं जिन्हें परमेश्वर ने हमें सौंपा है। फिर भी, हर परिस्थिति और हर मौसम में वही हमें संभालता, सामर्थ्य देता और हमारे सामने आने वाली विभिन्न कठिनाइयों के बीच हमारे साथ चलता है।

हम शत्रु की ओर से अनेक चुनौतियों का सामना करते हैं, विशेषकर उन स्थानों पर जहाँ सुसमाचार का विरोध किया जाता है। हम बीमारी, आर्थिक दबाव, निराशा, असुरक्षा और सत्य का विरोध करने वाले लोगों के कारण उत्पन्न कठिन परिस्थितियों से भी गुजरते हैं। कभी-कभी यह यात्रा बहुत भारी लग सकती है।

फिर भी, इन सभी परिस्थितियों से ऊपर हम अपने विश्वास में दृढ़ बने रहते हैं और यह घोषणा करते हैं कि प्रभु यीशु मसीह हर

परिस्थिति में हमारा मार्गदर्शन करने, हमें सामर्थ्य देने, हमारी रक्षा करने और आगे बढ़ाने के लिए हमारे साथ है।

हम मेमने के बहुमूल्य लहू और परमेश्वर द्वारा हमें दी गई अपनी गवाही के द्वारा शत्रु पर विजय प्राप्त करते हैं :

“वे मेमने के लहू और अपनी गवाही के वचन के कारण उस पर जयवन्त हुए, और उन्होंने अपने प्राणों को मृत्यु तक प्रिय न जाना।” - प्रकाशितवाक्य 92:19

सेवकाई को अनेक संघर्षों और चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन हमारा भरोसा प्रभु पर अटल रहता है। जिसने हमें बुलाया है, वह विश्वासयोग्य है, और हमें पूरा विश्वास है कि वह अपने उद्देश्य के अनुसार हमें आगे ले जाएगा।

हमें आपकी सहभागिता की आवश्यकता है।

अंत में, जब हम उस दृष्टि को आगे बढ़ाना चाहते हैं जो परमेश्वर ने हमें सौंपी है, तब हमें आपकी सहभागिता की बहुत आवश्यकता है।

सच यह है कि हमें असफलताओं, खतरों, आर्थिक आवश्यकताओं, अनिश्चितताओं और अनेक दूसरी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए हमें परमेश्वर के ऐसे पुरुषों और महिलाओं की आवश्यकता है जो प्रार्थना में हमारे साथ खड़े रहें और राज्य के इस महान कार्य में हमारे सहभागी बनें।

क्या आप हमारे लिए प्रार्थना करेंगे और प्रभु के मार्गदर्शन में सहायता के लिए अपना हाथ बढ़ाएँगे?

आपकी प्रार्थनाएँ, आपका प्रोत्साहन, आपका साथ और आपका व्यावहारिक सहयोग हमारे लिए अत्यंत मूल्यवान हैं। आइए, हम सब मिलकर उन लोगों तक सुसमाचार पहुँचाते रहें जिन्हें प्रभु यीशु मसीह के उद्धार के संदेश को सुनने की आवश्यकता है।

परमेश्वर आपको भरपूर आशीष दे।

मसीह यीशु में, आपके सेवक,

पास्टर एस. सैम सिल्वा राज

Email: sam@echoofhiscall.org

पृष्ठ 1 से आगे...

तब परमेश्वर ने कहा, ‘उजियाला हो,’ और उजियाला हो गया। - उत्पत्ति 1:3

यह हमारे जीवन में परमेश्वर के कार्य की कितनी सामर्थी तस्वीर है!

प्रभु यीशु मसीह ऐसी संसार में आया जो अशांति, उलझन, पाप और बुराई से घिरा हुआ था। अपनी मृत्यु और पुनरुत्थान के द्वारा उसने मानवजाति के लिए नया जीवन, आशा, छुटकारा और उद्धार लेकर आया।

जहाँ अंधकार था, वहाँ परमेश्वर ने प्रकाश को प्रकट किया। ठीक उसी प्रकार, जब प्रभु यीशु मसीह



हमारा पता :

अत्यंत आवश्यक सूचना!

निकट भविष्य में एको ऑफ हिज़ कॉल के डाक प्रेषण में अपरिहार्य रुकावट हो सकती है। यदि आप बिना किसी रुकावट के एको ऑफ हिज़ कॉल प्राप्त करना जारी रखना चाहते हैं, तो कृपया हमें अपना नाम, पता, ईमेल और व्हाट्सएप नंबर पत्र, ईमेल, फ़ोन कॉल या एसएमएस/व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से तुरंत भेजें।

आपका समर्थन हमें आपकी बेहतर सेवा करने में मदद करता है।

ECHO OF HIS CALL,

10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005, India
Cell: (+91) 98412 71858 / 98410 71858 E-mail: sam@echoofhiscall.org

हमारे जीवन में अपनी ज्योति चमकाता है, तो अंधकार हमारी कहानी का अंतिम अध्याय नहीं होता।

हमारे परिवारों के लिए आशा है।

हमारे बच्चों के लिए आशा है।

हमारे पिता के लिए आशा है।

हमारी सेवकाइयों के लिए आशा है।

हमारे भविष्य के लिए आशा है।

परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी अंधकारमय क्यों न दिखाई दें, परमेश्वर का एक पचन सब कुछ बदल सकता है।

परमेश्वर ज्योति है - और हमें भी चमकने के लिए बुलाया गया है!

अपरिवर्तनीय पहचान को प्रकट करता है :

उनमें जीवन था, और वह जीवन मनुष्यों की ज्योति था। ज्योति अंधकार में चमकती है, और अंधकार उसे पराजित न कर सका। - यूहन्ना 1:4-5

प्रेरित यूहन्ना आगे कहता है :

परमेश्वर ज्योति है और उसमें तनिक भी अंधकार नहीं। - 1 यूहन्ना 1:5

लेकिन प्रभु यीशु मसीह का अनुयायी होने में एक विशेष बात है।

प्रभु यीशु मसीह ने स्वयं कहा :

“तुम जगत की ज्योति हो...” - मती 5:14

जरा रुककर इस सच्चाई पर विचार करें।

परमेश्वर ज्योति हैं।

प्रभु यीशु मसीह जगत की ज्योति है।

और उसने हमें इस संसार में उसकी ज्योति को फैलाने के लिए बुलाया है।

यह हमारे लिए कितने बड़े सौभाग्य की बात है!

हम स्वयं ज्योति का स्रोत नहीं हैं; हमें उसकी ज्योति को अपने जीवन के द्वारा प्रकट करने के लिए बुलाया गया है। यह प्रकाश हमसे उत्पन्न नहीं होता। यह प्रभु यीशु मसीह से आता है और समर्पित जीवन के द्वारा चमकता है। परमेश्वर ने साधारण लोगों को ऐसे पात्रों के रूप में चुना है, जिनके माध्यम से उसकी अद्भुत ज्योति दिखाई दे सके। जब हम प्रभु यीशु मसीह को अपने भीतर और अपने माध्यम से कार्य करने देते हैं, तब दूसरे लोग हमारे शब्दों, हमारे कार्यों, हमारे चरित्र

और परिस्थितियों के प्रति हमारी प्रतिक्रिया में उसकी एक झलक देख सकते हैं।

तो इस अंधकारमय संसार में अपनी ज्योति के प्रतिनिधि के रूप में परमेश्वर हमसे क्या अपेक्षा करता है?

9. ज्योति अंधकार में चमकती है!

ज्योति अंधकार में चमकती है, और अंधकार ने उसे ग्रहण न किया। - यूहन्ना 1:5

ज्योति की पहली और सबसे स्पष्ट पहचान यही है - वह चमकती है।

और ज्योति सबसे स्पष्ट रूप से कहाँ दिखाई देती है? अंधकार में।

परमेश्वर हमेशा हमें ऐसे स्थानों पर नहीं बुलाता जहाँ सब कुछ पहले से ही उज्ज्वल, सहज और आरामदायक हो। कई बार वह हमें ऐसी परिस्थितियों और स्थानों में भेजता है जहाँ अंधकार होता है, ताकि हमारे जीवन के द्वारा उसकी ज्योति और भी स्पष्ट दिखाई दे।

कभी-कभी हम चाहते हैं कि हमारे जीवन पर सबका ध्यान जाए। हम आरामदायक वातावरण, अच्छे हालात, शांतिपूर्ण रिश्ते और आसान परिस्थितियाँ चाहते हैं। लेकिन जो स्थान हमें सबसे कठिन दिखाई देता है, हो सकता है वही अंधकार के बीच वह स्थान हो जहाँ परमेश्वर हमारे द्वारा सबसे सामर्थी रूप से कार्य करना चाहता है।

शायद परमेश्वर ने आपको किसी कठिन कार्यस्थल पर रखा है।

शायद आप अपने परिवार में किसी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति का सामना कर रहे हैं।

शायद आपकी सेवकाई इस समय एक कठिन दौर से गुजर रही है।

शायद आप अपने भविष्य को लेकर असमंजस में हैं।

अंधकार से भरी परिस्थिति को केवल एक बुरी जगह समझकर निराशा मत होइए।

हो सकता है, यही वह स्थान हो जहाँ परमेश्वर चाहता है कि आपकी ज्योति सबसे अधिक चमके।

मीका 7:8 कहता है :

ज्योंही मैं अंधकार में पहुँगा त्योंही यहोवा मेरे लिये ज्योति का काम देगा।

हमारे जीवन में ऐसे समय आ सकते हैं जब हमें अंधकार के बीच से होकर गुजरना पड़े, लेकिन वहाँ भी परमेश्वर हमारी ज्योति बने रहते हैं।

भजन 18:28 कहता है :

हाँ, तू ही मेरे दीपक को जलाता है; मेरा परमेश्वर यहोवा मेरे अन्धियारे को उजियाला कर देता है।

और भजन 23:4 हमें याद दिलाता है : चाहे मैं घोर अंधकार की तराई में होकर चलूँ, तौभी हानि से न डरूँगा, क्योंकि तू मेरे साथ है।

मेरे प्रिय भाइयो और बहनो, यदि आज आप स्वयं को अंधकार से घिरा हुआ पाते हैं, तो हिम्मत मत हारिए। परमेश्वर आपके साथ हैं। हो सकता है कि आप तराई से होकर गुजर रहे हों, लेकिन आप वहाँ से अकेले नहीं।

और यह बात हमेशा याद रखिए : हम स्वयं अंधकार बनकर अंधकार को हरा नहीं सकते।

जब किसी अंधेरे कमरे में प्रकाश जलाया जाता है, तो अंधकार को बाहर निकालने के लिए कोई विशेष प्रयास नहीं करना पड़ता। प्रकाश की मौजूदगी ही से अंधकार दूर हो जाता है।

अंधकार को प्रकाश के सामने हटना ही पड़ता है।

इसलिए चमकते रहिए!

२. अंधकार ज्योति को पराजित नहीं कर सकता!

अंधकार कभी-कभी बहुत शक्तिशाली दिखाई दे सकता है। वह भय उत्पन्न कर सकता है। वह भविष्य को अनिश्चित बना सकता है और हमारे मन में चिंता और डर भर सकता है।

लेकिन अंधकार की एक सीमा है :

यूहन्ना 1:5 कहता है :

ज्योति अंधकार में चमकती है, और अंधकार ने उसे ग्रहण न किया।

पृष्ठ 6 में कमशा...



महान आदेश के भागी

✳️ भार उठाना (मत्तातिथी 6:2), ✳️ सहायता करना (रोमियों 12:13) और ✳️ चमकाना (2 तीमू. 1:6)

रुतुति और प्रार्थना निवेदन

19 अक्टूबर 2026, से 18 नवम्बर 2026 तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)



स्तुति विषय

- 19 अक्टूबर : 10 अगस्त 2026 को एको ऑफ़ हिज़ कॉल मिनिस्ट्रीज़ के ५८वें वर्ष में प्रवेश करने के लिए उसकी कृपा और विश्वासयोग्यता के लिए।
- 20 अक्टूबर : ५८वें वर्ष में प्रवेश के अवसर पर कन्वेंशन कार्यक्रम आयोजित करने में उसकी सहायता और कृपा के लिए।
- 21 अक्टूबर : अन्य सेवकाह्वों को भी सहयोग और सहायता प्रदान करने के लिए उसकी कृपा के लिए।
- 22 अक्टूबर : नियमित रूप से थियोलॉजिकल सेमिनार आयोजित करने में उसकी सहायता के लिए।
- 23 अक्टूबर : मैगज़ीन सेवकाई के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पर उसकी भरपूर कृपा के लिए धन्यवाद, जो 1969 से ईमानदारी और विश्वासयोग्यता के साथ जारी है।
- 24 अक्टूबर : हमारे सभी कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों पर उसकी भरपूर कृपा और आशीष के लिए धन्यवाद।
- 25 अक्टूबर : हमारे सभी सहयोगियों और उनके परिवारों पर उनकी दया, कृपा और विश्वासयोग्यता के लिए धन्यवाद।
- 26 अक्टूबर : उसके दयालु मार्गदर्शन के लिए और हमें सुसमाचार लेकर उन क्षेत्रों तक पहुँचाने में उनकी सहायता के लिए धन्यवाद, जहाँ अभी तक सुसमाचार नहीं पहुँचा है।
- 27 अक्टूबर : हमारे मुख्य चर्च, शाखा चर्चों और पूरी संगति पर उसकी कृपा के लिए धन्यवाद, ताकि और अधिक विश्वासी हमारी संगति में जुड़ सकें।
- 28 अक्टूबर : 15 अगस्त को महाबलीपुरम के जीसस मिशन चर्च में आयोजित विशेष पुरुषों की सभा पर परमेश्वर के आशीष के लिए धन्यवाद।
- 29 अक्टूबर : सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल, नहेमायाह बाइबिल कॉलेज और थियोलॉजिकल कॉरिस्पोंडेंस कोर्स पर परमेश्वर की आशीष के लिए।
- 30 अक्टूबर : हमारे मुख्य चर्च में चल रही महिला सेवकाई पर परमेश्वर की आशीष के लिए धन्यवाद।
- 31 अक्टूबर : पास्टर एस. सैम सेल्वा राज और उनके परिवार पर परमेश्वर की भरपूर आशीष के लिए धन्यवाद।
- 01 नवंबर : पिछले महीने हमारी सभी आर्थिक और आत्मिक आवश्यकताओं को पूरा करने में उनकी विश्वासयोग्यता के लिए।
- 02 नवंबर : हमारे सहयोगी संपादकों और उनके परिवारों पर परमेश्वर के आशीष के लिए धन्यवाद।

- 03 नवंबर : संसार भर के लोगों और विभिन्न देशों पर परमेश्वर की सुरक्षा, दया और कृपा के लिए धन्यवाद।

कृपया प्रार्थना करें

- 04 नवंबर : बच्चों और युवाओं को नशीली दवाओं तथा हर प्रकार की नशे की लत से बचाने के लिए।
- 05 नवंबर : एको ऑफ़ हिज़ कॉल मिनिस्ट्रीज़ में सेवा करने के लिए समर्पित और प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं की व्यवस्था के लिए।
- 06 नवंबर : हमारे सायंकालीन नहेमायाह बाइबिल कॉलेज के विद्यार्थियों में अनुशासन, समर्पण और आत्मिक विकास के लिए।
- 07 नवंबर : प्राकृतिक आपदाओं से ईश्वरीय सुरक्षा के लिए।
- 08 नवंबर : सभी देशों और राष्ट्रों के बीच एकता, शांति और मेल-मिलाप के लिए।
- 09 नवंबर : संसारभर के लोगों की सुरक्षा, उद्धार और कुशल के लिए।
- 10 नवंबर : पूरे भारत में उन लोगों तक सुसमाचार पहुँचाने के लिए परमेश्वर की कृपा, सामर्थ्य और मार्गदर्शन के लिए प्रार्थना करें, जिन तक अभी तक सुसमाचार नहीं पहुँचा है।
- 11 नवंबर : हमारे वरिष्ठ पास्टर एस. सैम सेल्वा राज और उनके परिवार के लिए अच्छे स्वास्थ्य, सामर्थ्य और परमेश्वर की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।
- 12 नवंबर : संसार भर में बच्चों की तस्करी पूरी तरह समाप्त होने तथा असहाय और कमजोर बच्चों की सुरक्षा, देखभाल और पुनर्स्थापना के लिए।
- 13 नवंबर : सभी मसीही संगठनों और चर्चों पर परमेश्वर के आशीष और सुरक्षा के लिए।
- 14 नवंबर : मसीही सेवकाह्वों के माध्यम से परमेश्वर के महान चमत्कार और अद्भुत कार्य प्रकट हों, इसलिए।
- 15 नवंबर : परमेश्वर सभी विश्वासियों के हृदय की आँखों को ज्योति दें और उन्हें आत्मिक समझ, ज्ञान तथा बुद्धि प्रदान करें, इसके लिए।
- 16 नवंबर : सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल के विद्यार्थियों के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उनकी पढ़ाई पर आशीष दें, उन्हें ज्ञान और समझ प्रदान करें तथा उनके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उनका मार्गदर्शन करें।
- 17 नवंबर : महिलाओं और बच्चों पर परमेश्वर की सुरक्षा के लिए।
- 18 नवंबर : एको ऑफ़ हिज़ कॉल मिनिस्ट्रीज़ की सभी आवश्यक आर्थिक जरूरतों के लिए परमेश्वर के दयालु और पर्याप्त प्रबंध के लिए।

पृष्ठ 4 से आगे...

कमरा चाहे कितना भी अंधकारमय क्यों न हो, जिस क्षण उसमें प्रकाश आता है, उसी क्षण अंधकार अपना अधिकार खो देता है।

प्रभु यीशु मसीह ने हमें जगत की ज्योति बनने के लिए बुलाया है। फिर भी हमारे अपने जीवन में ऐसे समय आ सकते हैं जब परिस्थितियाँ हमारे चारों ओर की हर चीज़ पर भारी पड़ती हुई दिखाई दें।

शायद वह किसी डहकटर की रिपोर्ट के रूप में आए।

शायद वह सरकार के किसी निर्णय के रूप में सामने आए।

शायद वह परिवार की किसी कठिन परिस्थिति के रूप में आए।

शायद वह आर्थिक दबाव हो।

शायद अस्वीकार किए जाने का दर्द हो।

शायद अकेलापन हो।

शायद मन का भ्रम, अनिश्चितता या भविष्य को लेकर भय हो।

लेकिन यह बात अपने हृदय में अच्छी तरह बिठा लीजिए :

अंधकार अंतिम सत्य नहीं है।

जब हम प्रभु यीशु मसीह से जुड़े रहते हैं, तब हम अपनी ज्योति के स्रोत से जुड़े रहते हैं।

एक दीपक तब तक प्रकाश नहीं दे सकता जब तक वह अपने ऊर्जा-स्रोत से जुड़ा न हो। उसी प्रकार, यदि हम प्रभु यीशु मसीह के साथ अपने संबंध को ठंडा पड़ने देते हैं या उससे दूर हो जाते हैं, तो हमारे लिए प्रभावी रूप से चमकते रहना कठिन हो जाता है।

प्रभु यीशु मसीह के साथ हमारा रिश्ता बहुत मायने रखता है - यही हमारी सामर्थ्य का स्रोत है।

हमारा प्रार्थना-जीवन मायने रखता है।

परमेश्वर के वचन के साथ हमारा संबंध मायने रखता है।

प्रभु यीशु मसीह के साथ हमारी संगति मायने रखती है।

पवित्र आत्मा पर हमारी निर्भरता मायने रखती है।

दुश्मन हमें उस स्रोत से दूर करने की कोशिश करेगा, क्योंकि वह जानता है कि जो विश्वासी प्रभु यीशु मसीह से अलग हो जाता है, उसके लिए प्रभावी रूप से और सामर्थ्य के साथ चमकना कठिन होता है।

लेकिन जब हम प्रभु यीशु मसीह में बने रहते हैं, तब उसकी ज्योति हमारे जीवन के द्वारा लगातार चमकती रहती है।

इसलिए आइए, हम पूरे विश्वास के साथ घोषणा करें :

अंधकार मेरे विचारों पर अधिकार नहीं रखता।

अंधकार मेरे भविष्य पर अधिकार नहीं रखता।

अंधकार मेरे परिवार पर अधिकार नहीं रखता।

अंधकार मेरे बुलावे पर अधिकार नहीं रखता।

अंधकार मेरी सेवकाई पर अधिकार नहीं रखता।

प्रभु यीशु मसीह मेरे भीतर की ज्योति है, और वही मुझे चमकने की सामर्थ्य देता है!

आमेन!

3. हमें हर मौसम में चमकने के लिए बुलाया गया है!

प्रभु यीशु मसीह ने कहा :

“तुम जगत की ज्योति हो...” - मत्ती 5:14

ध्यान दीजिए, प्रभु यीशु मसीह ने यह नहीं कहा, “जब सब कुछ ठीक चल रहा हो और तुम्हारी परिस्थितियाँ अच्छी हों, तभी तुम जगत की ज्योति हो।”

हमें केवल अच्छे समय में चमकने के लिए नहीं बुलाया गया है।

हमें हर मौसम में चमकने के लिए बुलाया गया है। हो सकता है परिस्थितियाँ कभी पूरी तरह अनुकूल न हों। हो सकता है समय हमेशा हमारे पक्ष में न हो। हो सकता है हमारे आसपास का वातावरण भी हमेशा सुखद न हो।

फिर भी परमेश्वर ने हमें यह नहीं कहा कि पहले अंधकार के समाप्त होने की प्रतीक्षा करो और उसके बाद चमकना शुरू करो।

हमें तो अंधकार के बीच ही चमकने के लिए बुलाया गया है।

यूहन्ना 3:19 हमें याद दिलाता है कि लोग अन्धकार को ज्योति से अधिक प्रिय जानते हैं क्योंकि उनके काम बुरे हैं। इसलिए ज्योति में चलने का चुनाव करना कभी-कभी हमें अपने आसपास के लोगों से अलग कर सकता है।

यह हमेशा लोकप्रिय नहीं होगा।

हर कोई इसे समझ नहीं पाएगा।

कभी-कभी इसके कारण हमें असहज परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

लेकिन हमें अपने आसपास के अंधकार के अनुसार चलने हेतु नहीं बुलाया गया है।

हमें प्रभु यीशु मसीह की ज्योति को अपने साथ लेकर चलने के लिए बुलाया गया है।

हमारा बुलावा अंधकार में घुल-मिल जाने का नहीं, बल्कि अंधकार को प्रकाशमान करने का है।

4. परमेश्वर ने ज्योति को अंधकार से अलग किया - एक अलग जीवन!

उत्पत्ति 1:3-4 कहता है :

“परमेश्वर ने कहा, ‘उजियाला हो,’ और उजियाला हो गया। और परमेश्वर ने देखा कि उजियाला अच्छा है; और परमेश्वर ने उजियाले को अधियारे से अलग किया।”

इस क्रम पर ध्यान दीजिए।

पहले परमेश्वर ने अंधकार के बीच ज्योति को प्रकट किया। फिर उसने ज्योति को अंधकार से अलग किया।

यह हर विश्वासी के लिए एक गहरा संदेश है।

परमेश्वर ने हमें केवल चमकने के लिए ही नहीं, बल्कि अलग जीवन जीने के लिए भी बुलाया है।

यदि हम जानबूझकर अंधकार को अपनाते रहें, तो हम प्रभावी रूप से ज्योति को प्रकट नहीं कर सकते।

हमारे जीवन में एक स्पष्ट अंतर दिखाई देना चाहिए।

हमारे जीवन में पवित्रता दिखाई देनी चाहिए।

हमारे जीने, बोलने, सोचने, काम करने, दूसरों के साथ व्यवहार करने, निर्णय लेने और अपने जीवन को संचालित करने के तरीके में स्पष्ट अंतर होना चाहिए।

हमारे जीवन में वही दिखाई देना चाहिए जिसकी हम दूसरों के सामने गवाही देते हैं।

यशायाह 42:6-7 में परमेश्वर के लोगों को राष्ट्रों के लिए ज्योति बनने के लिए बुलाया गया है।

हमें जो ज्योति सौंपी गई है, वह केवल हमारे अपने जीवन तक सीमित रहने के लिए नहीं है।

MAIN CHURCH PROGRAMMES

1. Prayer Service : 24 hours
2. **ECHO OF HIS CALL** - Monthly Magazines : English, Tamil, Malayalam, Telugu, Hindi, Kannada, Marathi, Gujarati, Bengali, Odiya, Nepali, Assamese, Punjabi, Urdu, Sinhala & Afrikaans.
3. **BIBLECOR** - Basic Bible Courses (English, Tamil & Hindi)
4. Theological Correspondence Courses: English & Tamil
5. Nehemiah Bible Colleges (Chepauk, Santhoshapuram & Velachery)
6. Branch Churches: Santhoshapuram, Balaji Nagar & Velachery
7. Great Commission Partners (Network of Pastors)
8. Training Programmes – Seminars & Retreats
9. Crusades
10. Literature Distribution and Follow Up
11. Gospel Printing Press - Publications
12. St. Paul's Matriculation School - Village English High School
13. Sunday Schools (Chepauk) : 10.30 a.m. Sunday & (Velachery, Balaji Nagar & Santhoshapuram) 3.00 p.m. Sunday
14. **Early Morning Service** : 5.30 a.m. Sunday
15. **Preliminary Service** : 8.00 a.m. Sunday
16. **Tamil Service** : 8.30 a.m. Sunday
17. **Children School** : 11.00 a.m. Sunday
18. **Youth Meeting** : 11.00 a.m. Sunday
19. **Elders for Christ Meeting** : 11.00 a.m. Sunday
20. **Fellowship Lunch** : 01.00 p.m. Sunday
21. **Telugu Service** : 4.00 p.m. Sunday
22. **Hindi Service** : 5.00 p.m. Sunday
23. **Tamil & English Service** : 6.00 p.m. Sunday
24. Feedback Time : 8.00 p.m. Sunday
25. Women's Prayer : 5.30 p.m. Wednesday
26. Men's Prayer : 7.00 p.m. Friday
27. Discipleship Meeting : 6.00 p.m. Saturday
28. House Meetings : 6.30 p.m. Tuesday & Thursday
29. Special Holy Communion : 6.00 a.m. 1st day of each month
30. Workers Meeting : 5.30 p.m. First Saturday
31. Parents' Prayer : 4.00 p.m. First Sunday
32. Night Prayer : 9.30 p.m. Third Friday
33. Fasting Prayer : 9.30 a.m. Second Saturday
34. Holy Communion : Second Sunday Service
35. Youth / Kid Prayer : 10.00 p.m. daily (over phone)
36. Staff Devotion : 9.00 a.m. daily
37. Office : 9.00 a.m. to 9.00 p.m. (except Sundays)

कर में छूट

किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा "एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट" को दिया गया दान आयकर कानून की धारा ८० जी. के तहत कर मुक्त माना जाता है। इसके लिए अधिकृत रसीद दी जाएगी। दानदाताओं से निवेदन है कि वे अपने चेक तथा ड्राफ्ट "एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट" के नाम पर आपके आधार कार्ड और पैन कार्ड के साथ भेज दें।

Account Name : ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST
 Account Number : 1023 2923 805
 Bank Name : STATE BANK OF INDIA
 Branch : TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005
 IFSC Code : SBIN 0000249
 SWIFT Code : SBI NIN BB 455

हमारे घरों को उस ज्योति का अनुभव होना चाहिए।

हमारे कार्यस्थलों को उस ज्योति का अनुभव होना चाहिए।

हमारे चर्चों को उस ज्योति का अनुभव होना चाहिए।

हमारे समुदायों को उस ज्योति का अनुभव होना चाहिए।

हमारी पूरी पीढ़ी को उस ज्योति का अनुभव होना चाहिए।

परमेश्वर ने हमारे दीये इसलिए नहीं जलाए कि हम उन्हें छिपाकर रखें। उन्होंने हमें चमकने के लिए बुलाया है।

5. ज्योति का कवच पहन लो!

अंत में, रोमियों 13:12 हमें एक सामर्थी चुनौती देता है :

"रात बहुत बीत गई है, और दिन निकलने पर है; इसलिये हम अन्धकार के कामों को त्याग कर ज्योति के हथियार बाँध लें।"

ध्यान दीजिए कि पवित्रशास्त्र किस प्रकार के शब्दों का प्रयोग करता है :

"अंधकार के कामों को छोड़ दें।"

"ज्योति के हथियार बाँध लें।"

ज्योति केवल ऐसी चीज़ नहीं है जिसे हम देखते हैं; यह ऐसी चीज़ है जिसे हमें धारण करके अपने जीवन में उतारना है।

ज्योति का कवच पहनने का अर्थ है समझौता करने के बजाय धार्मिकता को चुनना।

इसका अर्थ है :

पाप के बजाय पवित्रता को चुनना।

धोखे के बजाय सच्चाई को चुनना।

कड़वाहट के बजाय क्षमा को चुनना।

भय के बजाय विश्वास को चुनना।

सुविधा के बजाय आज्ञाकारिता को चुनना।

संसार के तरीकों और मूल्यों के बजाय प्रभु यीशु मसीह को चुनना।

जब हम ज्योति का कवच पहनते हैं, तब हम अंधकार के कामों के सामने दृढ़ता से खड़े होने के लिए तैयार होते हैं।

अपनी ज्योति चमकने दो

मेरे प्यारे भाइयो और बहनो, पवित्रशास्त्र एक धर्मी व्यक्ति के जीवन के बारे में एक सुंदर वादा देता है '



खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

“जो पढ़े वह समझे” मत्ती 24:15

महान परमेश्वर अपने सेवकों को कभी नहीं छोड़ता!!

मेरे सेवकाई के शुरुआती दिनों में मुझे अलग-अलग स्थानों से विरोध का सामना करना पड़ता था। यहाँ तक कि प्रभु की सेवा में लगे रहने के कारण मुझे कई बार अपना घर और कार्यालय तक बदलना पड़ा।

सन् 1978 में मैंने चेन्नई में एक छोटा-सा घर किराए पर लिया। हमेशा की तरह, मैंने अपने पादरी, जी. सुंदरम से, जो उस समय अपोस्टोलिक किश्चियन असेंबली के मुख्य पादरी थे, बिनती की कि मेरे वहाँ रहने से पहले आकर उस घर को आशीष दें। उन्होंने अपने सहायक पादरी एम.के. सैम सुंदरम को भेजा। वे परमेश्वर के अत्यंत प्रिय और सम्मानित सेवक थे और आज भी चेन्नई की अपोस्टोलिक किश्चियन असेंबली के मुख्य पादरी हैं।

उस दिन हम दोनों एक टैक्सी में सफर कर रहे थे। मेरे पास जितने पैसे थे, मैं उन्हें साथ लेकर चला था। टैक्सी में बैठते ही पादरी जी ने अपनी आँखें बंद कर लीं और प्रार्थना करने लगे। लेकिन मेरा ध्यान बार-बार टैक्सी के मीटर पर जा रहा था, जो हमारे सफर का किराया दिखा रहा था।

जैसे-जैसे टैक्सी आगे बढ़ी, मीटर पर बढ़ती रकम मेरे पास मौजूद पैसे के बहुत करीब पहुँचने लगी। कुछ ही देर में मीटर पर वही रकम दिखाई देने लगी, जितने पैसे मेरे पास थे। लेकिन हमें अभी काफी दूर जाना था। मेरे पास एक पैसा भी ज्यादा नहीं था। टैक्सी आगे बढ़ रही थी और मैं भीतर ही भीतर घबरा रहा था। मुझे डर लगने लगा कि अगर मीटर और आगे बढ़ गया, तो मैं क्या करूँगा? मेरे बगल में एक वरिष्ठ पादरी बैठे थे और मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उनसे कुछ कहूँ या नहीं। अंत में, मैंने मन ही मन अपने स्वर्गीय पिता से पुकारकर कहा, “मेरे प्यारे पिता, मैं क्या करूँ? मेरे पास और पैसे नहीं हैं।” मेरे माथे पर पसीना आने लगा, लेकिन टैक्सी आगे बढ़ती रही।

कुछ देर बाद मैंने फिर मीटर की ओर देखा और देखकर हैरान रह गया कि मीटर वहीं रुक गया था। वह आगे बढ़ ही नहीं रहा था! वह ठीक उसी रकम पर अटक गया था, जितने पैसे मेरे पास थे। मेरी आँखों में आँसू भर आए। उस पल मुझे एक बार फिर एहसास हुआ कि मेरा परमेश्वर अपने बच्चों की जरूरतों को जानता है और समय पर उनकी सहायता करता है।

अंत में हम घर पहुँच गए। पास्टर को इस घटना के बारे में कुछ भी पता नहीं था। जैसे ही हम टैक्सी से उतरे, मैंने ड्राइवर का हाथ पकड़कर उससे कहा, “प्यारे भाई, मैं जीवित परमेश्वर का सेवक हूँ। मेरे पास केवल इतने ही पैसे हैं। रास्ते में आपकी टैक्सी का मीटर रुक गया और वह आगे नहीं बढ़ा,

इसलिए मेरे पास जितने पैसे थे, उतने ही किराए में हम यहाँ तक पहुँच गए। कृपया मुझे एक घंटे का समय दे दीजिए, ताकि मैं बाकी दूरी का किराया आपको दे सकूँ। और कृपया मेरे साथ आए इन पादरी जी को इस बात के बारे में कुछ मत बताइए।” मेरी बात सुनते ही उस ड्राइवर ने मुझे गले लगा लिया और कहा, “मैं भी परमेश्वर की संतान हूँ। मुझे पूरे दिल से विश्वास है कि परमेश्वर ने मुझे आज आपकी सहायता करने का अवसर दिया है।”

यह कहकर उसने मेरे दिए हुए पैसे भी मुझे वापस कर दिए और बोला, “कृपया इसे मेरी ओर से प्रेम की भेंट समझकर स्वीकार कर लीजिए। इससे दूध खरीद लीजिए और अपने नए घर में जाते समय अपने लिए कुछ आवश्यक सामान ले लीजिए। जिस परमेश्वर की मैं आराधना करता हूँ, वह आपको एक दिन बहुत समृद्ध बनाए।” इतना कहकर वह चला गया। उसके बाद मैंने उसे अपनी जिंदगी में फिर कभी नहीं देखा।

मैंने उन पैसे में से थोड़ा दूध खरीदा और फिर पादरी जी और मैंने अपने नए घर में बैठकर वह दूध पिया। मुझे आज भी वह गीत याद है जो पादरी जी ने उस दिन पढ़ा था। जैसे ही वे गा रहे थे, मैं फूट-फूटकर रोने लगा। उन्होंने गीत रोक दिया और मेरी ओर देखकर पूछा, “भाई सैम, तुम इस तरह क्यों रो रहे हो?” तब मैंने उन्हें पूरी घटना बता दी - टैक्सी का मीटर कैसे रुक गया, मेरे पास उतने ही पैसे कैसे थे और ड्राइवर ने किस तरह अपने पैसे वापस करके उसे प्रेम की भेंट के रूप में दे दिया। यह सब सुनकर उनकी आँखों में भी आँसू आ गए। उन्होंने मुझसे कहा, “तुम्हें चिंता करने की क्या आवश्यकता थी? अगर तुमने मुझसे कहा होता, तो क्या मैं तुम्हें पैसे नहीं दे देता? कोई बात नहीं। परमेश्वर तुम्हारे साथ है। इसलिए डरो मत। वह तुम्हें हजारों लोगों के लिए आशीष का माध्यम बनाएगा। वह तुम्हें अपना गवाह बनाएगा और अपने सेवक के रूप में इस्तेमाल करेगा।” इन शब्दों के साथ उन्होंने मुझे आशीष दीं और यहाँ से चले गए। उस दिन उस घर में हम दोनों के अलावा कोई और नहीं था।

मेरे प्यारे भाई और बहन, आप इस घटना के बारे में क्या सोचते हैं? क्या आपके जीवन में भी कभी ऐसा अनुभव हुआ है, जब परमेश्वर ने आपकी आवश्यकता को ठीक समय पर पूरा किया हो?

मेरे प्रभु यीशु मसीह आपकी जिंदगी में इससे भी बड़े चमत्कार करें। बस, उससे जुड़े रहें, उस पर भरोसा रखें और उसकी अगुवाई में चलते रहें!

“धर्मियों की ज्योति आनन्द के साथ रहती है.
..” - नीतिपंचन 13:9

जब हम ज्योति में चलते हैं और प्रभु यीशु मसीह की धार्मिकता को अपने जीवन में प्रकट होने देते हैं, तब उसकी ज्योति सबसे कठिन परिस्थितियों

में भी हमारे माध्यम से चमक सकती है।
आपकी ज्योति मायने रखती है।
आपकी गवाही मायने रखती है।
आपकी प्रार्थनाएँ मायने रखती हैं।
आपकी आशाकारिता मायने रखती है।

आपकी विश्वासयोग्यता मायने रखती है।
आपके परिवार को आपकी ज्योति की जरूरत है।
आपके कार्यस्थल को आपकी ज्योति की जरूरत है।
आपके समाज को आपकी ज्योति की आवश्यकता है।

आपके चर्च को आपकी ज्योति की आवश्यकता है।

ऐसे लोग भी हैं जो शायद कभी किसी चर्च की हमारत के द्वार के भीतर प्रवेश न करें, फिर भी वे आपके जीवन में चमकती हुई ज्योति के द्वारा प्रभु यीशु मसीह से परिचित हो सकते हैं।

इसलिए अपनी ज्योति को छिपाए मत।

अपने विश्वास के लिए क्षमा मत माँगिए।

कठिन परिस्थितियों को अपनी गवाही को दबाने मत दीजिए।

अंधकार को कभी यह विश्वास मत करने दीजिए कि आपकी ज्योति व्यर्थ है।

चमकते रहिए!

जब हम पूरे भारत में मनाए जाने वाले रोशनी के इस त्योहार के बारे में सोचते हैं, तो हमें एक और महान ज्योति को याद करना चाहिए।

यह ऐसी ज्योति नहीं है जो केवल थोड़े समय के लिए चमकती है।

यह ऐसी ज्योति नहीं है जिसे बुझाया जा सके।

यह ऐसी ज्योति नहीं है जिसे मनुष्य के हाथों ने बनाया हो।

लेकिन प्रभु यीशु मसीह ही संसार की ज्योति है।

उसने हमारे अंधकार में प्रवेश किया।

उसने हमारी आँखें खोलीं।

वह हमारे लिए मुक्ति लेकर आया।

उसने पाप और मृत्यु पर विजय पाई।

और अब वह हमें बुलाता है :

तुम जगत की ज्योति हो... - मत्ती 5:14

तो आइए, हम अपने हृदयों को जाँचें और स्वयं से पूछें :

परमेश्वर मुझे किस अंधकार के बीच चमकने के लिए बुला रहा है?

क्या मैं अब भी अपनी ज्योति के स्रोत से जुड़ा हुआ हूँ?

क्या मेरे जीवन में ऐसी कोई बात है जिसे ज्योति से अलग करने की आवश्यकता है?

क्या मैं कठिन समय में भी चमकते रहने के लिए तैयार हूँ?

क्या लोग मेरे जीवन के द्वारा प्रभु यीशु मसीह को देख सकते हैं?

आज आइए, हम एक बृह निर्णय करें :

मैं चमकूँगा।

मैं प्रभु यीशु मसीह से जुड़ा रहूँगा।

मैं ज्योति में चलूँगा।

मैं अंधकार के कामों को त्याग दूँगा।

मैं ज्योति का कवच धारण करूँगा।

मैं प्रभु यीशु मसीह की ज्योति को अपने परिवार, अपने चर्च, अपने कार्यस्थल और अपने समुदाय तक पहुँचाऊँगा।

क्योंकि अंधकार ज्योति पर विजय नहीं पा सकता। और जब प्रभु यीशु मसीह हमारे भीतर वास करता है, तब हमें उसकी ज्योति से चमकने के लिए बुलाया गया है!

“उठ, प्रकाशमान हो; क्योंकि तेरा प्रकाश आ गया है, और यहोवा का तेज तेरे ऊपर उदय हुआ है।” - यशायाह 60:1

मेरी प्रार्थना है कि प्रभु यीशु मसीह की ज्योति हममें से प्रत्येक के द्वारा और भी उज्ज्वल होकर चमके; निरशा लोगों के हृदय में आशा जगाए, टूटे हुए लोगों को चंगाई दे, भटके हुए लोगों को मार्ग दिखाए और अंततः उसके महान नाम की महिमा करे।

आमेन।

57वीं वर्षगाँठ का समारोह - विशेष अतिथि



बहन पद्मा मुदलियार, बहन जेबाकुमारी डेविड और बहन शीबा (गायिका) इन दिनों हमारे विशेष अतिथि के रूप में हमारे बीच उपस्थित रही।

परमेश्वर ने उन सभी का सामर्थ्य रूप से उपयोग किया, ताकि कार्यक्रमों में उपस्थित लोगों का विश्वास मजबूत हो, वे आत्मिक रूप से उन्नति करें और उनके जीवन में नई हिम्मत आए। साथ ही, हमारे यूट्यूब चैनल “एको अहफ हिज़ कहल” के माध्यम से कार्यक्रम देखने वाले लोगों को भी आशीष और प्रोत्साहन मिला।

हम परमेश्वर की स्तुति करते हैं कि उन्होंने इन सेवकों को अपने लोगों के लिए आशीष और प्रोत्साहन का माध्यम बनाया।

आवश्यकता

हमें अपनी सेवकाई टीम में समर्पित, जिम्मेदार और योग्य लोगों की आवश्यकता है।



1. कार्यालय कर्मचारी और नेतृत्वकर्ता

उम्मीदवार को कंप्यूटर का अच्छा ज्ञान तथा अंग्रेजी भाषा पर प्रभु हो।



2. कार चालक

जिम्मेदार और अनुभवी कार चालक की आवश्यकता है।



3. सुरक्षा कर्मचारी

सुरक्षा संबंधी जिम्मेदारियाँ नि लोगों की आवश्यकता है।



इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडाटा यहाँ भेज सकते हैं :

WhatsApp : +91 98412 71858, Email : sam@echoofhiscall.org

Posted at "Egmore RMS Patrika Channel" RNL.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/24-26 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26

OUR BANK DETAILS:**1. Bank : State Bank of India**

Branch : Triplicane, Chennai-5
 Name : S. Sam Selva Raj
 A/C No. : 1023 2934 679
 IFSC : SBIN 00 00 249
 SWIFT CODE : SBI NIN BB 455

2. Bank : ICICI Bank

Branch : Anna Salai, Chennai-6
 Name : Echo of His Call
 A/C No. : 6038 0502 2319
 IFSC : ICIC 000 6038

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch : Triplicane, Chennai-5
 Name : Echo of His Call Educational Trust
 A/C No. : 1023 2923 805
 IFSC : SBIN 00 00 249

OUR QR CODE:

Google Pay: 98410 71858
 PayPal : SAM SELVA RAJ

E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज कॉल

9६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेजी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, कूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्क: रु. १००/-

आजीवन शुल्क: रु. २,०००/-

एको ऑफ हिज कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार एको ऑफ हिज कॉल और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की जरूरत है।

अगर आप एको ऑफ हिज कॉल मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज कॉल सेवकाई 9६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाउनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपल को (Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना लैंड लाइन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पता आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :

ECHO OF HIS CALL

10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
 PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
 Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.org

YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No. 63656/95
 Licenced to post without pre-payment
 Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/24-26
 Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26
 Date of Publication: Second week of every month
 Date of Posting : 8th & 9th of every month
 Posted at "Egmore RMS Patrika Channel"
 on 9th OCTOBER 2026
 If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
 P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
 Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!